(21)

AS - 3067

B.Ed. (Special Education) H.I.

First Semester Examination - 2013

Paper - Specialization Paper I

[Facilitating Development of Language And Communication skills in children with Hearing Impairment]

Model Answer

by

Krishna Kumar Pathak
(Asst. Professor)

(Dept. of Education)
(G.G.V Bilaspur)

शिक्षा विभाग
222 | 16/12/13

[signature]
16/12/13

शि उ।रवि भाग
222 16-12-013

B.Ed. Spl Educati's H.I.
Examination — 2013
Paper: Specialization Paper I

1- (I) Communication -

Communication is a complex, two way and
संप्रेषण एक जटिल प्रक्रिया है द्विमुखी व संकल्पित
intentional process of passing the message from one end to
प्रक्रिया है जिससे हमारे संदेश को एक छोर से दूसरे छोर तक पहुचाते हैं
the other using a channel.

Communication is develop from Latin word "communicare". it means To sare.

Encode → Massage → Decoder
→ Channel

(II) A.V.E. का full Form

Auditory Verbal Education

(III) Definition of Critical Period - [क्रान्तिक काल की परिभाषा]

Critical period is that ~~time~~ period when child start to learn language in age 0-3 year. this is very important time for developing language period.

क्रान्तिक काल वह काल समय है जब बच्चा 0 से 3 वर्ष की आयु मे भाषा सीखना शुरु करता है। यह बहुत महत्वपूर्ण काल होता है।

(IV) Write any two method of teaching language to H.I. child

(I) Natural Method (II) Structural Method
प्रकृति विधि संरचना विधि

(III) Combined and M.R.M. Method.
संयुक्त और M.R.M विधि

(V) H.I. बच्चो को भाषा शिक्षण की दो विधि तकनीकि -
[write any two techniques of teaching language to H.I. child]

(I) News / conversation II Story telling III Directed Activity

(IV) Visit (V) Free play (VI) Picture Description

(VII) Dramatization (VIII) poems (IX) Unseen passages.

(VI) Home Training

Home training वह training होती है जिसमें हम बच्चों को मे देख रेख का तरीका देखते व सीखते है।

Home training के अन्तर्गत माँ बाप को बच्चों के साथ कैसा व्यवहार करना है कैसा दृष्टिकोण रखना है आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है।

(VII) Literacy- अक्षर ज्ञान प्राप्त होने से एक व्यक्ति अपने नाम को, जोड़, घटाव, गुणा, भाग लिखित रूप में कर पाने में समर्थ हो उसे साक्षर कहते है।

(VIII) Pre writing - pre writing means preparation of start writing. how to catch pen, pencil how to start writing, how to write alphabets, words then sentence.

प्री लेखन का अर्थ है लेख से पूर्व कि तैयारी कि हम लिखना कैसे प्रारम्भ करते है। हाथ से पेन पकड़ना, पेन्सिल पकड़ना इसे अन्तर्गत ही आता है इसमे पहले अक्षर ज्ञान फिर शब्द और अन्त में वाक्यज्ञान है।

(IX) Scope of language assesment
भाषा मूल्यांकन का क्षेत्र -

(a) To check of level of communication skill
संप्रेषण कौशल के स्तर को चेक करने में।

(b) To check of literacy skills
साक्षरता कौशल को चेक करने में।

(c) Receptive language
ग्रहणीय भाषा चेक करने में।

(d) Expretive language
भाषा चेक करने में।

(e) Reading skill check out
पठन कौशल को चेक करने में।

(f) check of writing skill levels
लेखन क्षमता को चेक करने में।

(X) Open ended Assessment- इसमें विद्यार्थी के द्वारा दिये गये विस्तार पूर्वक उत्तर को मूल्यांकन होता है। तथा इसकी जाँच विद्यार्थी के द्वारा दिये गये उत्तर के ही आधार पर किया जाता है।

(2) ~~Mean~~

भाषा – (Language)

भाषा एक ऐसी सांकेतिक व्यवस्था है जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने विचारो, भावो एवं इच्छाओ को दूसरो के सामने व्यक्त करता है। प्रत्येक एक ऐसा संकेत जो किसी विचारो को स्पष्ट करता हो वह भाषा है।

भाषा सुव्यवस्थित संकेतो की व्यवस्था है जिसका उपयोग सम्प्रेषण अर्थात विचारो के अदान-प्रदान के लिए किया जाता है।

स्वीट् - "ध्वन्यात्मक शब्दों द्वारा विचारो को व्यक्त करना ही भाषा है"

डा॰ बाबू राम सक्सेना - "एक प्राणी जिन ध्वनि चिन्हों द्वारा दूसरे प्राणी से कुछ व्यक्त कर कर देता है यही विस्तृत अर्थ भाषा है।"

भाषा की प्रकृति - Nature of Language.)

(i) स्वेच्छाचारिता - Arbitrariness
(ii) नियम परिचालिता Rule Governed
(iii) सृजनशीलता - Creativity Productivity
(iv) स्थानान्तरण - Displacement
(v) सांस्कृतिक स्थानान्तरण सांस्कृतिक स्थानांतरण Cultural Transmission

Function of language - (भाषा के कार्य)

(i) Communication संप्रेषण
(ii) cultural transmission सभ्यता संस्कृति स्थान्तरण
(iii) ध्यान आकर्षित करना Pay Attention
(iv) for Information of Interchange सूचनाओ के अदान प्रदान में)
(v) Expression of emotion. भावनाओ के व्यक्त करने में
(vi) ~~In Con~~ Speech's control वाणी नियंत्रण
(vii) knowledge of person व्यक्ति के ज्ञान में
(viii) In injoyment मनोरंजन मे
(ix) Recording of facts, Social Interaction.

Conclusion

Question No 2(a)

(8) M.R.M - Maternal Reflective Method

developed by "Uden" in 1974.

सामान्य बच्चे के माँ के साथ Interaction का गहन अध्ययन से आया - वह Mother को notice करते थे -

(i) बच्चा क्या कहना चाहता है ध्यान देना

(ii) माँ का double role play करना

Ex. बच्चा क्या कहना चाहता है।
और खुद से उसका उत्तर देना।

इस प्रकार ~~का~~ से जैसा एक सामान्य बच्चे से माँ बात करती है Interact ~~करती~~ है उसी प्रकार से spl बच्चे से भी class रूम में situation बना कर पढ़ायें। इस प्रकार Teacher class में ~~की~~ माँ का Role अदा कर सकता है और H.I. बच्चों को पढ़ा सकता है।

लक्षण-
इससे निम्न क्रियाएं होती है -

(I) स्वतन्त्र तात्कालिक वार्तालाप को केन्द्र बनाना।

(II) रीडिंग / राइटिंग डिपोजिट (वाचन भण्डारण) बनाना जिसके आधार पर बाद मे भी वाचन किया जाता है।

(III) इस पाठ के माध्यम से बच्चों में भाषा सम्बन्धि त्रुटियों को दूर करना।

(IV) पुनरावृत्ति एवं अनुकरण विशेष पर बल दिया जाता है। चूंकि अनुकरण सीखने का एक आधार है।

Conclusion-

Natural Method - 1958 मे माइल्ड्रेड ने प्राकृतिक विधि मे बल दिया और भाषा को आधार मान कर कुछ सिद्धान्त बताए। जिसको Natural Method द्वारा किया जाता है।

विशेषताएं -

(i) क्रान्तिक काल का उपयोग।

(ii) भाषा विकास के लिए अवशिष्ट श्रवण क्षमता का उपयोग।

(iii) सम्प्रेषण के माध्यम से भाषा विकास

(iv) बालक को बोलने का अवसर प्रदान करना।

Natural Method के सिद्धान्त -

(i) शिक्षक के द्वारा भाषा सीखाने के लिए बधिर बालक से हस्तक्षेप के सम्बन्ध मे योजना बनाकर भाषा सीखाना, अन्त: क्रिया करना घर जैसा वातावरण बनाना चाहिए।

(ii) भाषा सीखाने के लिए सम्प्रेषण को माध्यम बनाना और सम्प्रेषण सामाजिक वातावरण तथा किसी अर्थपूर्ण अथवा प्रासंगिक स्थिति पर करना चाहिए।

(iii) Pre school शिक्षक H.I. बच्चो को भाषा सीखाने के लिए News, Conversation तथा Direct Activity का प्रयोग करते है इस प्रकार विभिन्न अनुभवो द्वारा भाषा का ज्ञान दिया जाता है।

(iv) इस विधि मे बालक को दैनिक सम्प्रेषण के माध्यम से सम्प्रेषण मे दक्षता सीखनी चाहिए।

(v) भाषा पाठ का निर्धारण बच्चे की आवश्यकता के अनुरूप होना चाहिए अर्थात शिक्षक द्वारा भाषा सीखाते समय बच्चे की आवश्यकता को ध्यान मे रख कर भाषा सीखाना चाहिए

Conclusion -

(4) केयर गिवर - (Care Giver)

केयर गिवर एक ऐसी व्यवस्था है जिसको बच्चों की देख रेख के लिए मुख्य रूप से रखा जाता है।

सर्व प्रथम 1999 में राष्ट्रीय न्यास के द्वारा इनकी नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की गयी।

केयर गिवर विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को शिक्षा देने, देख रेख साफ सफाई का प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद नियुक्त किया जाता है तथा इनके द्वारा आस पास के लोगों में जागरूकता उत्पन्न करने मे भूमिका निभाते है।

समावेशी विद्यालय मे भूमिका - (विस्तार मे लिखना) in detail
Role in Inclusive setting

(I) देख रेख में।
(II) व्यवस्था करने मे / सुविधा उपलब्ध कराने में
(III) उपयुक्त उपकरण के उपयोग में।
(IV) रख रखाव में।
(V) शिक्षण कार्य मे।
(VI) मित्र / सहयोगी के रूप में।
(VII) व्यवसायिक प्रशिक्षण
(VIII) परामर्श दाता के रूप मे।
(IX) मार्ग दर्शक के रूप मे
(X) जागरूकता उत्पन्न करने में।
(XI) बाधा मुक्त वातावरण तैयार करने मे
(XII) सफाई कर्मी के रूप में।

आवासी विशेष विद्यालय मे भूमिका — (Role in Residential Special School)

(I) देख रेख में।
(II) उपकरण प्रयोग व रख रखाव मे।
(III) शिक्षण कार्य में।
(IV) अभिभावक के रूप मे।
(V) मित्र के रूप में।
(VI) सफाई कर्मी के रूप मे।
(VII) व्यवसायिक प्रशिक्षण मे
(VIII) बच्चों के स्वास्थ्य की देख रेख मे।

Question No 5

(5) वाचन (Reading)

"वाचन वह कौशल है जिसके द्वारा Reader या वाचक लिखित शब्दों या वाक्यों से अर्थ समझता है साथ ही उसे एक संदेश भी प्राप्त होता है"

"मुख्यता - वाचन का अर्थ या तात्पर्य दृश्य कोड का विकोडन (समझना) करना और उसे श्रव्य कोड मे परिवर्तित करके दिये गये संदेश का अर्थ समझना है।"

वाचन के मॉडल
Models of reading

(1) Top Down model.

(II) Bottom Up Model.

(III) Interactive Model.

Top Down Model - "इसमे वाक्य से अक्षरो की ओर" इस सिद्धान्त का इस वाचन मे प्रयोग होता है

Bottom Up Model - "नीचे से ऊपर की ओर बढ़ना" इस सिद्धान्त का इस वाचन मे प्रयोग होता है।

Interactive Model — इसमें ऊपर के दोनो मॉडलो के सिद्धान्त का उपयोग करके सीखाया जाता है।

Conclusion :

Question No-6

(6) भाषा मूल्यांकन - [Language assessment]

~~मूल्यांकन~~ - कौशल के स्तर को, ज्ञान को ~~विकास~~ को, कार्य करने की क्षमता को ग्रुप या व्यक्तिगत तौर पर वर्तमान के स्तर में ज्ञात करने की प्रक्रिया है जिसको हम भविष्य मे अपने उद्देश्य के लिए उपयोग कर सकते हैं।

Assessment is process of finding out present status of skill / Knowledge / development / functioning / of an individual or a group which can be used purposefull in futur.

~~भाषा~~ मूल्यांकन के प्रकार -

(i) Formal assessement.

(ii) Informal assessment.

write in breif -

Formal assessment (

(a) Consistency ~~स्थिरता~~

(b) Tool dependent

(c) Quntitative Judgement

(d) Rigidly

(e) Ready and Convenient.

Informal assessment

(a) ~~In~~consistency (अस्थिरता)

(b) Tool dependent

(c) Qualitative Judgement

(d) Flexibility

(e) To be ~~develop~~ formate

Question No - 7

7. (a) Conversation वार्तालाप

→ Meaning इसमे बच्चो को अधिक से अधिक बोलने का मौका दिया जाता है

→ purpose - वाणी भाषा का विकास।

→ advantage - सहयोग और सहभागित आदि

- disadvantage - सुनने की कमी के कारण वार्तालाप मे असमर्थता।

(b) Picture Description

→ Meaning - चित्रो के माध्यम से बच्चो को पाठ पढ़ाना।

→ purpose - वाणी व भाषा का विकास कराना

→ advantage - तार्किक तथा मानसिक आदि क्रियाओ का विकास

→ disadvantage - केवल चित्र को अकेला समझाना कठिनाई

(c) Functional Reading - (कार्यात्मक वाचन)

इसमे बच्चे को स्वतन्त्र रूप से वाचन का विकास कि बातक होती है। इसमें बच्चे को अपने आप बोलने तथा भाषा विकास का प्रयास कराया जाता है।

(d) Recreational Reading [मनोरंजनात्मक वाचन]

इस वाचन के अन्तर्गत वे वाचन आते है जिसको पढ़ने के बाद बच्चो को आनन्द की प्राप्ति होती है और उसका मनोरंजन होता है जैसे बच्चो को कहानी या कामिक्स पढ़ाना और मनोरंजन की प्राप्ति करना मनोरंजनात्मक वाचन के अंतर्गत आता है।